DAINIK BHASKAR, Mumbai, 29.11.2023
Page No. 2, Size:(20.81)cms X (5.33)cms.

बुलेट ट्रेन परियोजनाः महाराष्ट्र में बननेवाले चारों स्टेशनों को मिलेगी स्थानीय पहचान

▪ बीकेसी टर्मिनस पर अरब सागर की लहरों की छाप, उल्हास नदी के बहाव जैसी होगी ठाणे स्टेशन की डिजाइन

सुजीत गुप्ता | मुंबई

मुंबई-अहमदाबाद के बीच देश की पहली हाई स्पीड रेल सेवा (बुलेट ट्रेन) प्रोजेक्ट का काम तेजी से हो रहा है। महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन के चार स्टेशन होंगे। इनमें बांद्रा-कुर्ला कांप्लेक्स (बीकेसी) में टर्मिनस बनाने का काम शुरू है। पैकेज सी-3 के अंतर्गत ठाणे, विरार और बोइसर में एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं से लैस स्टेशन बनाए जाएंगे। प्रस्तावित स्थलों पर मिट्टी के नमूनों की जांच की जा रही है। इन चारों स्टेशनों की इमारत पर स्थानीय छाप होगी। बुलेट ट्रेन का मार्ग 508 किमी लंबा है। इसका 135 किमी हिस्सा महाराष्ट्र में है। इस मार्ग पर बुलेट ट्रेन 350 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी। बुलेट ट्रेन मुंबई से लगभग 2:07 घंटे में अहमदाबाद पहुंचेगी।

बीकेसी टर्मिनसः बीकेसी टर्मिनस की इमारत की डिजाइन समुद्र की लहरों से प्रेरित है। इसका निर्माण कार्य शुरू है। यहां भूमिगत छह प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे।

ठाणेः ठाणे स्टेशन उल्हास नदी के पास बनेगा। स्टेशन का प्रवेश द्वार और छत पर उल्हास नदी के बहाव की छाप होगी। यहां जमीन से 15 मीटर ऊपर 415 मीटर लंबे चार प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे।

विरारः विरार स्टेशन के आसपास पहाड़ हैं। इस स्टेशन की डिजाइन पहाड़ों से आनेवाली हवा से प्रेरित होगी। दो प्लेटफॉर्म और 4 ट्रैक होंगे। पार्किंग सुविधा के साथ पुख्ता सुरक्षा इंतजाम होंगे।

बोइसरः बोइसर स्टेशन के अग्रभाग पर मछुआरों और मछली पकड़ने के जाल से प्रेरित है। यहां दो प्लेटफॉर्म चार रेलवे ट्रैक से जुड़े होंगे। जरूरी यात्री सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।